पारिभाषिक शब्दावली निर्माण में समन्वयवादी संप्रदाय

पारिभाषिक शब्दावली निर्माण में राष्ट्रीयतावादी व अंतर्राष्ट्रीयतावादी संप्रदायों के अतिरिक्त एक संप्रदाय और भी है जो इन दोनों संप्रदायों का समन्वय करता है, यह समन्वयवादी संप्रदाय कहलाता है। डॉ० पुरनचन्द टंडन के अनुसार, "अब अधिकांश विद्वानों को विश्वास है कि संस्कृत की धातुओं, उपसर्गों एवं प्रत्ययों का उपयोग करते हुए वैज्ञानिक शब्दों की नए तरीके से रचना की जा सकती है। वे यह भी महसूस करते हैं कि स्पूतनिक, रेडियम प्लसर आदि अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त शब्दों का प्रयोग किया जाना चाहिए। कुछ स्थानों पर नए शब्दों की आवश्यकता पड़ सकती है, लेकिन अन्य स्थानों पर प्रचलित शब्दों का त्याग नहीं किया जाना चाहिए।" इस सिद्धांत के समर्थकों का कहना है कि विदेशी शब्दों से हिन्दी शब्द भी बनाए जा सकते हैं, जैसे Tragedy से त्रासदी और Academy से अकादमी शब्द बनाए गए हैं। समन्वयवादी सिद्धान्त के अनुसार –

(i) जो विदेशी शब्द जन-साधारण में प्रचलित हैं, उनको ग्रहण कर लेना चाहिए।

(ii) सर्वप्रथम अपने वर्तमान शब्द-भण्डार का ही अत्यधिक उपयोग होना चाहिए; जैसे शल्यचिकित्सा, जीव विज्ञान, भौतिक विज्ञान आदि।

(iii) यदि अनिवार्य हो तो अन्य भाषाओं से गृहीत शब्दों के आधार पर नए शब्दों का निर्माण कर लेना चाहिए; जैसे त्रासदी, अकादमी आदि।

Scanned with CamScanner

(iv) यथासम्भव संस्कृत की धातुओं, प्रत्ययों तथा उपसर्गों के आधार पर नए शब्दों का निर्माण करना चाहिए।
या पारिभाषिक

(v) यदि लोकप्रचलित अथवा अन्य भारतीय भाषाओं के शब्द उचित हों तो उन्हें पारिभाषिक शब्दों के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए।

(vi) यदि संस्कृत भाषा में ही कोई पारिभाषिक शब्द प्रचलित है तो उसे यथावत् स्वीकार कर लेना चाहिए।

(vii) जो विदेशी शब्द हमारी ध्वनि व्यवस्था के अनुकूल न हों, उन्हें अनुकूलित कर लेना चाहिए।

(viii) जो विदेशी तकनीकी शब्द संस्कृत भाषा के अनुकूल न हों, उन्हें हिन्दी में ज्यों का त्यों स्वीकार कर लेना चाहिए; जैसे रेडियो, बस, डॉक्टर, कार, स्टेशन आदि।

इस प्रकार स्पष्ट है कि पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण में स्वतंत्रता के बाद से ही अनेक संप्रदाय राष्ट्रीयतावादी, अंतर्राष्ट्रीयतावादी तथा समन्वयवादी सक्रिय रहे हैं। चूंकि राष्ट्रीयतावादी और अंतर्राष्ट्रीयतावादी संप्रदायों में एक प्रकार का जिद्दीपन नज़र आता है, अतः पारिभाषिक शब्दावली निर्माण में समन्वयवादी विचारधारा का रास्ता ठीक लगता है।

Scanned with CamScanner